मूल्य 1 रु.
वर्षः 14 - अंक : 102, मुंबई, बुधवार, 12 जून, 2024 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान
दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

कांग्रेस और ठाकरे ग्रुप में क्या सब कुछ ठीक नहीं?

नाना पटोले बोले- उद्धव ने फोन नहीं उठाया

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस महाराष्ट्र में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। महाराष्ट्र में कांग्रेस ने सबसे ज्यादा 13 सीटें जीतीं। इसके बाद महाविकास अघाड़ी में ठाकरे ग्रुप को 9 और शरद पवार ग्रुप को 8 सीटें मिलीं। इस चुनाव के बाद महाविकास अघाड़ी के नेताओं का आत्मविश्वास जरूर बढ़ा है, लेकिन अब विधान परिषद चुनाव को लेकर नाराजगी की बात सामने आ रही है। नाराजगी की बात इसलिए क्योंकि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने दावा किया है कि उन्होंने ठाकरे गुट के मुखिया उद्धव ठाकरे को फोन किया था, लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया। महाराष्ट्र में विधान परिषद की सभी चार सीटों के लिए ठाकरे गुट ने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

उद्धव ने बिना बताए खड़ा कर दिया उम्मीदवार

ठाकरे गुट को लेकर नाना पटोले ने कहा कि विधानसभा परिषद में उद्धव ने बिना बातचीत किए अपने उम्मीदवार खड़े कर दिए हैं। यही अगर बातचीत करके खड़ा करते तो ज्यादा बेहतर होता। हमने उद्धव से संपर्क करने की कोशिश की थी, लेकिन बातचीत नहीं हो पाई। उम्मीदवारों के नाम वापस लेने की आखिरी तारीख 12 जून है। ऐसे में कल का दिन देखते हैं फिर आगे बात करते हैं। अभी तक तो नाना पटोले ने यह संकेत देने की कोशिश की है कि महाविकास अघाड़ी में सब कुछ ठीक चल रहा है। कोई नाराजगी और असहमति नहीं है। पटोले ने कहा कि सभी सांसद उनसे मिल रहे हैं।

मुझे इलाज नहीं करवाना...

अनशन के चौथे दिन मराठी नेता मनोज जरांगे पाटिल की तबीयत बिगड़ी

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। मराठा आरक्षण की लड़ाई लड़ने वाले मनोज जरांगे पाटिल की तबीयत बिगड़ गई है। अनशन के चौथे दिन तक आते आते मनोज जरांगे की परेशानी पहले से ज्यादा बढ़ गई है। जरांगे पाटिल के इलाज के लिए डॉक्टरों की एक टीम मंगलवार को दूसरी बार अंतरावली सरती में दाखिल हुई है। अंबाद के तहसीलदार चंद्रकांत शेलके सहित जिला सर्जन डॉ. राजेंद्र पाटिल यहां पहुंचे। तहसीलदार चंद्रकांत शेलके और डॉ. राजेंद्र पाटिल दोनों ने जरांगे से इलाज करने का अनुरोध किया। लेकिन जरांगे पटल ने इलाज कराने से इनकार कर दिया। मनोज जरांगे 8 जून से अनशन पर हैं। प्रशासन ने राज्य सरकार को लिखित रूप से जानकारी दी है कि मनोज जरांगे पाटिल का इलाज नहीं चल रहा है।
(शेष पृष्ठ 3 पर)

फर्जी पहचान पत्र से बनवाई वोटर आई

लोकसभा चुनाव में की वोटिंग...मुंबई से 4 बांग्लादेशी गिरफ्तार

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। मुंबई एटीएस ने लोकसभा चुनावों में फर्जी वोटिंग करने वाले चार बांग्लादेशियों को अरेस्ट किया है। वहीं 5 अन्य बांग्लादेशियों की पहचान की है। यह पांचों बांग्लादेशी अभी फरार हैं। उनकी तलाश में एटीएस ने उनके हर संभावित ठिकानों पर दबिश तेज कर दी है। एटीएस सूत्रों के मुताबिक इन बांग्लादेशियों ने गुजरात के सूरत से फर्जी पहचान पत्र बनवाया और मुंबई आकर यहां वोटर आईडी समेत अन्य दस्तावेज बनवा लिए। इन लोगों ने हाल ही में हुए लोकसभा चुनावों के दौरान वोटिंग भी की है। एटीएस सूत्रों के मुताबिक पकड़े गए चारों बांग्लादेशियों से हुई पूछताछ के आधार पर इनके पांच अन्य साथियों की पहचान की गई है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

'400 पार' नारे से हुआ नुकसान

हमें भारी पड़ा... सीएम एकनाथ शिंदे ने बताया सीटें घटने का कारण

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मंगलवार को अपने एक कार्यक्रम में लोकसभा चुनाव में आए नतीजे पर खुलकर बात की है और उन्होंने बताया कि किस वजह से महाराष्ट्र में एनडीए की सीटें कम हुई हैं। उन्होंने बीजेपी के अबकी बार 400 पार के नारे से नुकसान की बात स्वीकार की है। हालांकि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ करते हुए कहा है कि वह पिछले 10 सालों से लगातार कठिन मेहनत कर रहे हैं और एक भी छुट्टी नहीं ली है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

बीजेपी ने जीती हैं 9 लोकसभा सीटें

महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी ने 2019 के लोकसभा चुनाव में 23 सीटें जीती थीं, लेकिन इस बार ये घटकर मात्र 9 रह गई हैं। एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना ने सात सीटें जीतीं, जबकि अजित पवार की एनसीपी सिर्फ एक सीट जीत पाई। कुल मिलाकर एनडीए को राज्य की 48 सीटों में से 17 पर ही जीत मिली है। इसके विपरीत, 2014 में शिवसेना-बीजेपी गठबंधन ने 43 सीटों पर विजय पताका फहराई थी। चुनाव नतीजों के बाद महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और बीजेपी नेता देवेंद्र फडणवीस ने चुनावी हार की जिम्मेदारी ली और पार्टी के वरिष्ठ नेतृत्व से उन्हें उनकी जिम्मेदारियों से मुक्त करने की अपील की। चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस ने आरोप लगाया था कि 400 से ज्यादा सीटें मांगने के पीछे बीजेपी का असली इरादा संविधान बदलना और आरक्षण खत्म करना है।

हमारी बात

संदेह के गहरे बादल

ऐसा पहली बार हुआ कि नीट-यूजी परीक्षा में बैठे 67 छात्रों ने पूरे अंक पा कर पहली रैंक हासिल की। ऑल इंडिया स्तर पर प्रथम रैंक अब तक एक या दो छात्रों को ही मिलती रही है। इसलिए संदेह गहरा गया है।

यह संदेह गहराता जा रहा है कि प्रतियोगी परीक्षाएं धांधली का जरिया बन गई हैं और यह सब कुछ प्रशासन के संरक्षण में हो रहा है। अनेक राज्यों में पेपर लीक की बढ़ती घटनाओं से यह शक बनना शुरू हुआ। अब देश के टॉप मेडिकल कॉलेजों में दाखिले के लिए आयोजित नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (नीट-यूजी) को लेकर खड़े हुए विवाद से यह और गहरा गया है। परीक्षा आयोजित कराने वाली राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) सवालों के घेरे में है। शक को इससे भी बल मिला कि जिस रोज लोकसभा चुनाव की मतगणना में सारे देश का ध्यान था, एनटीए ने उसी रोज इम्तहान के नतीजों को जारी करने का फैसला किया। ऐसा पहली बार हुआ कि इस परीक्षा में बैठे 67 छात्रों ने पूरे अंक पा कर पहली रैंक हासिल की। ऑल इंडिया स्तर पर प्रथम रैंक अब तक एक या दो छात्रों को ही मिलती रही है। एनटीए ने सफाई दी है कि आसान परीक्षा, रजिस्ट्रेशन में बढ़ोतरी, दो सही उत्तरों वाला एक प्रश्न और परीक्षा के समय में नुकसान की भरपाई के लिए ग्रेस मार्क्स दिया जाना ऐसे कारण हैं, जिनसे छात्रों को उच्च अंक लाने में सहायता मिली। मगर परीक्षा में शामिल हुए छात्रों के एक बड़े हिस्से को यह स्पष्टीकरण मंजूर नहीं है। वे परीक्षा रद्द कर इसे दोबारा कराने की मांग कर रहे हैं। एनटीए का कहना है कि 1,500 से ज्यादा उम्मीदवारों को दिए गए ग्रेस मार्क की समीक्षा करने के लिए चार सदस्यों की कमेटी गठित की गई है, जो एक हफ्ते के अंदर अपनी रिपोर्ट पेश करेगी। मगर संदेह इतना गहरा है कि ऐसे स्पष्टीकरण से छात्रों एवं समाज के एक बड़े हिस्से को संतुष्ट करने में सफलता नहीं मिली है। आरोप है कि पेपर लीक किया गया। यह मुद्दा इंडियन मेडिकल एसोसिएशन से संबंधित जूनियर डॉक्टर्स नेटवर्क ने उठाया। उसने मामले की सीबीआई जांच और दोबारा परीक्षा कराने को कहा है। जो हालात हैं, उनके बीच इन मांगों को ठुकराना मुश्किल मालूम पड़ता है। अगर ऐसा कर भी दिया गया, तो यह परीक्षा की शुचिता पर संदेह जारी रखने की कीमत पर ही होगा।

सरकार वाहन का दुरुपयोग आठ महीने में 31 दिवसीय अवकाश पर चलाया वाहन

क्रिसमस, धनतेरस, गांधी जयंती पर वाहन से हुए दौरे, सूचना का अधिकार में हुआ खुलासा

मुंबई हलचल/संवाददाता

जलगाँव। सरकारी गाड़ी का उपयोग निजी काम के लिए करना पूरी तरह गैर कानूनी माना गया है। लेकिन नियम कायदों को दरकिनार पर जिला परिषद के अंतर्गत आने वाले ग्रामीण विकास यान्त्रणा में सरकारी वाहन का दुरुपयोग सूचना के अधिकार की जानकारी में मामला सामने आया है। जिला परिषद का एक विभाग ऐसा भी है। जिसके दो विशेष कर्मी शासकीय अवकाश के दिन भी सरकारी वाहन से मुख्यालय से बाहर दौरे करते हैं। इतनी ही नही दो अक्तूबर धनतेरस दिवाली के दिन भी सरकारी वाहन को दौड़ा गया है। यह जानकारी सामने आने से हड़कंप मच गया है. जबकि सरकारी अधिकारी और कर्मी सप्ताह में पाँच दिन ही कार्य करते है। डी आर डी में ऐसे कौन से कार्य है कि शनिवार रविवार को वाहन से दौरे कर कार्य किए जा रहे हैं। पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच कराई जाने की मांग जिप मुख्याधिकारी अंकित से की जा रही हैं। जिला अभियान प्रबंधक हरेश्वर मुरलीधर भोई और जिला ग्रामीण विकास प्रणाली परियोजना निदेशक राजू सुकदेव लोखंडे सरकारी वाहन का उपयोग करते

देखे गए हैं। रविवार और क्रिसमस को जिप कायार्लीन कामकाज करने वाले कर्मियों का सप्ताहिक अवकाश होता है। उन्होंने 7 जून 2023 से मार्च 2024 तक अवकाश के 31 दिन तक सरकारी वाहन 4 हजार 4 सौ 44 किलोमीटर किस के आदेश से चलाया हैं। जिला ग्रामीण विकास प्रणाली परियोजना निदेशक राजू सुकदेव लोखंडे ने नियमों को ताक पर रख बड़े पैमाने पर वाहन का दुरुपयोग किया है। इस तरह का आरोप सूचना का अधिकार कार्यकर्ता दिनेश भोले ने बताया है कि परियोजना निदेशक राजू लोखंडे ने तत्कालीन सीईओ डॉ. पंकज आसिया को गुमराह कर एक महीने की अवधि के लिए किराए पर लगाया गया वाहन एम एज 19 ई ए6527 को बिना किसी टेंडर प्रक्रिया किए बिना एक साल के लिए मंजूरी दी है। जिला प्रबंधक लोकेश जोशी ने बताया कि उक्त बोलेरो वाहन का पंजीयन प्रमाण पत्र, अनुबंध बांड आदि दस्तावेजों की आवश्यकता है, लेकिन इनमें से कोई भी उपलब्ध नहीं हैं। 18 जनवरी 2023 को वर्तमान मुख्य कार्यपालन अधिकारी अंकित के अवकाश पर होने पर उनका प्रभार जिला ग्रामीण विकास प्रणाली परियोजना निदेशक राजू लोखंडे को सौंप दिया गया। इस दौरान मुख्य कार्यकारी अधिकारी के तौर पर राजू लोखंडे ने अपने हस्ताक्षर से इस वाहन के विस्तार प्रस्ताव को मंजूरी दी है। उक्त वाहन हरीश भोई के भाई के नाम पर है। जिप में वाहन लगा कर वित्तीय घोटाले में संदिग्ध हरेश्वर भोई और जिला कार्यालय में कार्यरत संविदा कर्मचारी अनिल बडगुजर को अभियान सेवा से बर्खास्त किया जाना चाहिए इस तरह की मांग की है।

रेलवे सुरंग में भरे पानी में डूबने से किसान की मौत

मुंबई हलचल/संवाददाता

जलगांव। शहर से कुछ किलोमीटर दूर असोदा से मन्यारखेड़ा रोड पर रेलवे सुरंग में जमा पानी से एक किसान बैलगाड़ी निकाल रहा था लेकिन उसे पानी का अंदाजा नहीं था जब उसे लगा कि पानी गहरा है तो उसने बैलों की रस्सियाँ छोड़ दीं। बैल फुँफकारता हुआ बाहर निकला। लेकिन किसान के खुद डूबने की चौंकाने वाली घटना मंगलवार 11 जून की सुबह 10 बजे घटी है। जलगांव तहसील पुलिस स्टेशन ने आकस्मिक मृत्यु मौत का मामला दर्ज हुआ है। जानकारी के अनुसार मृतक किसान का नाम

सुकलाल लालचंद माली (उम्र 63 वर्ष, आसोदा, जलगांव) है। सुकलाल माली अपनी पत्नी, बेटे और बहू के साथ आसौदा गांव में रहता था। कृषि कार्य करके अपनी आजीविका चलाता था। जलगांव जिले में मंगलवार 11 जून की आधी रात को भारी बारिश हुई। सुकलाल माली सुबह करीब 10 बजे बैलगाड़ी से मन्यारखेड़ा रोड पर खेत पर जा रहा था। इसी बीच सड़क पर एक रेलवे सुरंग है। बारिश के कारण इस सुरंग में पानी जमा हो गया था। उस वक्त सुकलाल माली ने सुरंग के नीचे से दूसरी तरफ जाने के लिए बैलगाड़ी का इस्तेमाल किया। बैलगाड़ी में पानी का अनुमान नहीं होने से सुकलाल माली बैलगाड़ी सहित पानी में डूब गया। उस समय, उन्होंने दोनों बैलों को मुक्त करने के लिए बैलगाड़ी का जुआ तोड़ दिया। इतने में बैल झटके से बाहर निकल गए। लेकिन सुकलाल माली को तैरना नहीं आता था और डूबने से उसकी मौत हो गई। जैसे ही पड़ोस के खेत में काम कर रहे मजदूरों की नजर इस घटना पर पड़ी तो वे तुरंत दौड़ पड़े। इस बार उन्हें निजी वाहन से राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। चिकित्सा पदाधिकारी डॉ.अमोल पाटिल ने उसकी जांच की और उसे मृत घोषित कर दिया। इस मौके पर परिवार ने जमकर हंगामा किया। जलगांव पुलिस स्टेशन ने आकस्मिक मौत का मामला दर्ज किया गया है।

ईद अल-अजहा को लेकर ईदगाह कमेटी ने सौंपा ज्ञापन

मुंबई हलचल/संवाददाता

मछलीशहर जौनपुर। दिनांक 11/6/2024 दिन मंगलवार को तहसील मुख्यालय पहुंचे ईदगाह कमेटी के लोगों ने तहसीलदार को एक ज्ञापन सौंपा। जिसमें उन्होंने लिखा कि आगामी 17 जून को ईद उल अजहा बकराईद का पर्व है। ईद उल अजहा बकरीद की नमाज को सकुशल संपन्न कराए जाने और साफ सफाई के संबंध में ईदगाह कमेटी के लोगों ने ज्ञापन सौंपा। बताते चले ईद उल अजहा के दिन भारी संख्या में नमाजी शादी ईदगाह पर नमाज अदा करने के

लिए शिरकत करते हैं, हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी ईद उल अजहा बकरीद की नमाज दिनांक 17/ 6/ 2024 दिन सोमवार को सुबह 7:00 बजे शाही ईद गाह में शहर इमाम मौलाना अबुल कलाम के द्वारा अदा/पढ़ाई जाएगी। ईदुल अजहा की नमाज को शकुशल संपन्न कराने हेतु उचित एवं आवश्यक कार्रवाई को लेकर ईदगाह कमेटी ने ईद उल अजहा के दिन ईद गाह पर साफ सफाई और प्रशासनिक सहयोग के लिये तहसीलदार श्री अजीत कुमार और नगर पंचायत को ज्ञापन सौंपा। इस मौके पर ईदगाह कमेटी के सदर नूरुजजमा, सेक्रेटरी इरशाद खान, खजांची फैजान खान, अजमत राई, न इश्तियाक अहमद एडवोकेट, सभासद फराज सिद्दीकी, शेखु मास्टर, फहद फारुकी, नेहाल खान, दानिश खान , आदि लोग उपस्थित रहे।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।
www.mumbaihalchal.com mumbaihalchal@gmail.com https://www.facebook.com/mumbaihalchal.halchal https://twitter.com/MumbaiHalchal

हम और हमारे मूल कर्तव्य एक बार पुन: श्रीमती अर्चना देशमुख हुई समाज रतन सम्मान 2024 से सम्मानित

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई । राष्ट्रीय सैनिक संस्था मुंबई इकाई की अध्यक्षा एवं दरियादिल मुंबईकर की संस्थापिका श्रीमती अर्चना देशमुख जी ने कहा राजनीति की पाठशाला संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय पाण्डेय जी और उनकी टीम का तहेदिल से धन्यवाद जो उन्होंने हमारे कार्यों को देखकर राजनीति की पाठशाला के समाज रत्न अवॉर्ड - २०२४ से सम्मानित किया। ऐसे सम्मान से समाजिक कार्यकर्ता का मनोबल बहुत बढ़ता है। उन्हें और अच्छे कार्य करने के लिए प्रेरित करता है। यह कार्यक्रम मुंबई के अंधेरी मेयर्स हाल में सफलतापूर्वक संपन्न हुअ। हम सब पूरे भारतवासियों का शुक्रिया अदा करते हैं।

2 साल से फरार जबरन चोरी का आरोपी गिरफ्तार, देसी कट्टा और कारतूस जब्त

मुंबई हलचल/संवाददाता

धुलिया । जबरन चोरी के मामले में 2 साल से फरार चल रहे आरोपी को स्थानीय क्राइम ब्रांच की टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। उसके पास से 25 हजार कीमत का देसी कट्टा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया है। धमणार (साक्री) का मोहन रघुनाथ सोनवणे 28 जुलै 2022 को धुलिया शहर के बारा पत्थर से बस अड्डे की ओर पैदल जा रहा था उसी समय मोटरसाइकिल पर 2 अज्ञात आए और मोहन के हाथ से बैग छीन ली जिसमें 3 लाख 25 रुपए नकद रखे थे। शहर पुलिस थाना में इस लूट की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। मनोज उर्फ खुशाल मोकल (दंडेवाला बाबा नगर, मोहाडी, धुलिया) को अपराध में पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया था और एक अन्य आरोपी मुजाहिद शेख उस्मान खाटीक (22 वर्ष, निवासी अकबर मस्जिद, आजाद नगर, धुलिया) अपराध को अंजाम देने के बाद दूसरे राज्य में भाग गया था। 10 जून को एलसीबी पुलिस निरीक्षक श्रीराम पवार को गुप्त सूचना मिली कि मुजाहिद शेख उस्मान खाटीक देसी कट्टे के साथ धुलिया बस स्टेशन क्षेत्र में घूम रहा है और मध्य प्रदेश जाने की तैयारी कर रहा है। इसके अनुसार एलसीबी टीम ने उसे बस स्टेशन क्षेत्र से हिरासत में लिया। उसके पास से 25 हजार रुपये मूल्य की एक देसी पिस्तौल और 1 हजार रुपये मूल्य का एक जिंदा कारतूस जब्त किया गया। पुलिस कांस्टेबल नीलेश पोतदार की शिकायत पर उसके खिलाफ भारतीय हत्या अधिनियम की धारा 3/25 के तहत मामला दर्ज किया गया। मुजाहिद शेख उस्मान खाटीक पर पहले से ही चालीसगांव रोड, जिला पेठ पुलिस स्टेशन, जलगांव और धुलिया शहर पुलिस के खिलाफ एक मामला दर्ज है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक श्रीकांत धिवरे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक किशोर काले के मार्गदर्शन में एलसीबी पुलिस निरीक्षक श्रीराम पवार, पुनि योगेश राऊत, पोहवा संतोष हिरे, प्रकाश सोनार, पोना रविकिरण राठौड़, पुलिस कांस्टेबल निलेश पोतदार, हर्षल चौधरी, गुणवंत पाटिल, सुशील शेंडे ने की।

लोकहित मंच के आंदोलन की सफलता, आयुक्त शुभम गुप्ता ने भारी बारिश में शामरावनगर का किया निरीक्षण

सांगली। सांगली शहर के पास शामरावनगर इलाके में नागरिक समस्याओं का अंबार है। लोकहित मंच द्वारा बार-बार विरोध प्रदर्शन करने और प्रशासन के संज्ञान में लाने के बाद, सांगली मिरज और कुपवाड शहर नगर निगम आयुक्त शुभम गुप्ता ने आज भारी बारिश के दौरान शामरावनगर क्षेत्र का निरीक्षण किया और खुले भूखंड पर जमा पानी की निकासी के बारे में उचित योजना बनाई। इस इलाके में सीवरेज और पानी की निकासी जल्द से जल्द करने के आदेश अधिकारियों को दिए गए हैं। लोकहित मंच का प्रयास आखिरकार आज सफल हो गया। लोकहित मंच के अध्यक्ष मनोज भिसे के सामने आयुक्त ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये। वहां प्लॉट तुरंत उपलब्ध हैं। उनके खिलाफ तत्काल कार्रवाई का आदेश दिया गया है। आंदोलन पर संज्ञान लेने पर लोकहित मंच की ओर से आयुक्त का स्वागत किया गया।

सूर्य और वायुदेव के ताप प्रकोप से कानपुर में जारी मौत का सिलसिल, पांच और मरे

कानपुर । यहां सूर्य और वायु देव का जारी ताप प्रकोप लोगों को असमय मौत के मुंह में झोकने में लगातार सफल हो रहा है। इस बीच 5 और लोगों की मौत हुई है ,जिसकी वजह भीषण गर्मी का प्रकोप बताया गया है। अलबत्ता अब तक यहां तीन दर्जन से ज्यादा लोग भीषण गर्मी लू की वजह से असमय मौत का शिकार हो चुके हैं। मौसम विभाग के मुताबिक अभी 10 दिन तक कड़ी धूप और तपिश से राहत मिलने के आसार नहीं हैं। वहीं आज मंगलवार सुबह से छाए बादलों ने उमस और गर्मी बढ़ा दी है। कानपुर में बीती रात का तापमान 32.4 डिग्री दर्ज किया गया, जो सबसे अधिक रहा। जबकि सोमवार को 45.2 डिग्री तापमान के साथ कानपुर प्रदेश का तीसरा सबसे गर्म शहर रहा। इस दौरान जिले के अलग-अलग इलाकों में गर्मी से पांच लोगों की हालत बिगड़ने से मौत हो गई। इस बारे में पुलिस का जो दावा है, उसके मुताबिक इसकी वजह लगातार जारी प्रचंड गर्मी है। हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की सही वजह पता चल सकेगी।

इकरा कॉलेज की छात्रा काजी नूर फातिमा गोल्ड मेडल से सम्मानित

मुंबई हलचल/संवाददाता

जलगांव। महाराष्ट्र यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज के सभागार में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में इकरा यूनानी मेडिकल कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने भी भाग लिया। काजी नूर फातेमा अजीमुद्दीन बीयूएम द्वितीय वर्ष की छात्रा के प्रथम आने पर विश्वविद्यालय की कुलपति माधुरी कानिटकर द्वारा स्वर्ण पदक प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम में कुलपति मिलिंद निकुंभ, रजिस्ट्रार राजेंद्र बांगड़ और विश्वविद्यालय के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के वार्षिकोत्सव दिवस पर किया गया। इकरा शिक्षा संस्थान के अध्यक्ष अब्दुल करीम सालार, सचिव एजाज मलिक व सभी सदस्यों ने काजी नूर फातेमा की प्रशंसा की और उन्हें बधाई दी है।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

फर्जी पहचान पत्र से बनवाई वोटर आई

यह पांचों बांग्लादेशी अभी फरार हैं, लेकिन एटीएस ने स्थानीय पुलिस और सर्विलांस की मदद से इन सभी की लोकेशन ट्रैस करने की कोशिश कर रही है। एटीएस अधिकारियों के मुताबिक अभी तक यह साफ नहीं हो पाया है कि यह सभी 9 बांग्लादेशी कब भारत आए और कैसे आए। कारण कि इनके पास बांग्लादेश से भारत आने का कोई भी वैध दस्तावेज नहीं मिला है। भारत आने के बाद इन लोगों ने जो पहचान पत्र बनवाए हैं, वो सब असली हैं, लेकिन उन्हें बनवाने के लिए जो दस्तावेज दिए गए हैं, वो सब नकली है।

मुझे इलाज नहीं करवाना...

तहसीलदार ने ये भी कहा कि राज्य सरकार के प्रतिनिधिमंडल को लेकर अभी तक कोई विदाई नहीं है। वहीं मंगलवार को एक ईसाई पादरी जारंगे पाटिल से उनके अनशन के चौथे दिन मिलने आए। अंतरावली सरती में भूख हड़ताल स्थल पर आए और जरांगे पाटिल के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। अंतरावली सरती उनका पैतृक निवास है। मराठा नेता मनोज जरांगे पाटिल के अनशन और पर महाराष्ट्र सरकार के संज्ञान नहीं लेने पर नासिक में मराठा समाज ने नाराजगी जताई है। मराठा समाज ने मांग की है कि शरद पवार को इस संबंध में पहल करनी चाहिए। अंतरवली सरती में चल रहे मनोज जरांगे पाटिल के आंदोलन के संबंध में नासिक में संपूर्ण मराठा समाज की बैठक हुई। इस बैठक में शरद पवार से ध्यान देने की मांग की गई। नासिक में सकल मराठा समुदाय की ओर से शरद पवार समेत सभी राजनीतिक नेताओं से भी अपील की गई। मराठा समाज की बैठक में ये बताया गया कि सभी विधायकों और सांसदों को एकसाथ अंतरवली सरती में जाना चाहिए।

'400 पार' नारे से हुआ नुकसान

एकनाथ शिंदे ने बीजेपी के अबकी बार 400 पार नारे पर बोलते हुए कहा, इस नारे को लेकर विपक्ष ने ऐसा माहौल तैयार कर दिया कि अगर मोदी सरकार 400 पार चली गई, तो वह संविधान बदल देगी। लोगों ने इसे दिमाग में रखा और सब गड़बड़ हो गया। यही हमारी महायुति के लिए भारी पड़ा। महाराष्ट्र में भी हमें नुकसान हुआ। संविधान बदल जाएगा, आरक्षण खत्म हो जाएगा ये चचाएं थी। ऐसा कुछ नहीं होना था, लेकिन 400 पार की संख्या ने सारी समस्याएं पैदा कर दीं। एनसीपी अजीत गुट ने सीएम एकनाथ शिंदे के बयान का समर्थन किया। एनसीपी अजीत पवार ग्रुप के मुख्य प्रवक्ता उमेश पाटिल ने कहा कि 400 सीट का नारा देने की वजह से हारे। विपक्ष ने 400 सीट का नारा देने पर इसका गलत तरीके से दुष्प्रचार किया, जिससे दलितों में और अल्पसंख्यको में गलत मैसेज गया कि सविधान बदलने के लिए 400 सीट चाहिए और इस वजह से हार हुई। सीएम एकनाथ शिंदे ने इस बारे में सही कहा है।

कांग्रेस और ठाकरे ग्रुप में क्या सब कुछ ठीक नहीं?

ठाकरे गुट की ओर से उम्मीदवार की घोषणा से कांग्रेस नाराज हो गई है। कांग्रेस ने ठाकरे समूह से कोंकण और नासिक सीटों से उम्मीदवार वापस लेने की मांग की है। नाना पटोले ने कहा है कि विधान परिषद चुनाव में उद्धव ठाकरे ने उम्मीदवारों की घोषणा की है।

हरियाणा विधानसभा के लिए नहीं होगा आप से गठबंधन

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

दिल्ली के बाद हरियाणा में ये भी लगभग साफ हो गया है कि कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) विधानसभा का चुनाव अलग-अलग लड़ेंगी।

हरियाणा कांग्रेस के दिग्गज नेता और पूर्व सीएम भूपिंदर सिंह हुड्डा ने कहा कि लोकसभा चुनाव में गठबंधन राष्ट्रीय स्तर पर था, लेकिन विधानसभा चुनाव में कोई गठबंधन नहीं होगा। आप ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस संग किसी भी गठबंधन से इनकार करते हुए कहा कि यह शुरू से ही स्पष्ट था कि केवल लोकसभा चुनाव के लिए थी।

दिल्ली के बाद हरियाणा में भी बढ़ी कांग्रेस-आप की दूरी

कांग्रेस के पूर्व सीएम हुड्डा का ऐलान

हमारा संघर्ष जारी रहेगा

दिल्ली के नतीजों पर उन्होंने कहा कि आप-कांग्रेस गठबंधन का सबसे बड़ा फायदा यह हुआ कि भाजपा उम्मीदवारों की जीत का अंतर कम हो गया। उन्होंने कहा कि 13 जून को दिल्ली के सभी पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करेंगे। चूंकि केजरीवाल जेल में हैं, इसलिए हमारा संघर्ष जारी रहेगा।

लोकसभा के लिए था अलायंसः राय

दिल्ली के वरिष्ठ मंत्री गोपाल राय ने कहा कि यह शुरू से ही स्पष्ट है कि इंडिया गठबंधन लोकसभा के लिए है। हमने ईमानदारी के साथ मिलकर लोकसभा चुनाव लड़ा है। दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए कोई गठबंधन नहीं है। हम लड़ेंगे। दिल्ली में इस लड़ाई को दिल्ली के लोगों के साथ मिलकर लड़ा गया। लोकसभा चुनावों में आप और कांग्रेस ने दिल्ली, हरियाणा और गुजरात में सीट बंटवारे की व्यवस्था की, जबकि वे असम और पंजाब में एक-दूसरे के खिलाफ लड़े। राय ने कहा कि हमने बेहद विपरीत परिस्थितियों में लोकसभा चुनाव लड़ा। हमारे शीर्ष नेता जेल में हैं।

हरियाणा भाजपाध्यक्ष की तलाश तेज

जाट व एससी चेहरों के बीच फंसा पद

लोकसभा चुनावों में 5सीटें गंवाने के बाद हरियाणा भाजपा में प्रदेशाध्यक्ष बनाए जाने को लेकर प्रक्रिया तेज हो गई है। केंद्रीय मंत्रिमंडल में हरियाणा से 3 बड़े चेहरों मनोहर लाल, राव इंद्रजीत सिंह और कृष्ण पाल गुर्जर को शामिल किए जाने से एक बात साफ हो गई है कि इन तीनों समुदायों में से किसी नेता को प्रदेशाध्यक्ष की कमान नहीं मिलनी है। भाजपा के पास जाट और गैर जाट में एससी चेहरे बचे हैं, जिन पर दांव खेल सकती है। भाजपामंथन कर रही है कि जाट मतदाताओं को साधें या फिर अनुसूचित जाति के वोट बैंक को।

फिलहाल सीएम सैनी संभाल रहे कमान

फिलहाल सीएम नायब सिंह सैनी के पास ही प्रदेशाध्यक्ष की कमान है। दोनों पद पास होने के चलते ही इस बार लोकसभा चुनावों में पार्टी के नेताओं की संगठन पर इतनी मजबूत पकड़ नहीं रह पाई। लोकसभा में प्रत्याशियों ने खुलकर नेताओं पर भितरघात के आरोप लगाए हैं। हरियाणा में विधानसभा के चुनाव होने हैं, इसलिए प्रदेशाध्यक्ष की जिम्मेदारी स्वतंत्र रूप से अलग नेता को दी जानी है। फिलहाल भाजपा यह तय करने में जुटी है।

जेपी नड्डा ने स्वास्थ्य मंत्रालय का पदभार लिया।

प्रहलाद जोशी ने खाद्य, उपभोक्ता विभाग संभाला।

जितेंद्र सिंह ने कार्मिक, लोक शिकायत विभाग संभाला।

डॉ. एस. जयशंकर ने फिर विदेश मंत्रालय संभाला।

पीयूष गोयल ने उद्योग मंत्रालय संभाला।

खबर संक्षेप

विवाहिता की हत्या, पति-ससुर को 10-10 वर्ष कैद

भदोही। उत्तर प्रदेश के भदोही की एक अदालत ने दहेज के लिए एक विवाहिता को कीटनाशक पिलाकर

हत्या करने के आरोपी पिता-पुत्र को मंगलवार को दोषी करार देते हुए दोनों को 10-10 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई गयी है। कोर्ट ने मृत नवविवाहिता के पति संदीप और ससुर फूलचंद को 10-10 वर्ष कारावास की सजा सुनाई।

पुलिस ने एक्ट्रेस पवित्रा को हिरासत में लिया

बेंगलुरु। कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री के जाने-माने एक्टर दर्शन थुगुदीपा को एक हत्या के मामले में गिरफ्तार

किया गया है। दर्शन पर रेणुका स्वामी मर्डर केस से जुड़े होने का आरोप है। पुलिस ने मैसूर में उनके फार्महाउस से हिरासत में लिया गया। वहीं अब खबर है कि दर्शन की कथित गर्लफ्रेंड पवित्रा गौड़ा को भी पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।

ठाणे में फैक्ट्री में लगी भीषण आग

भिवंडी। महाराष्ट्र के ठाणे के भिवंडी तालुका के सरावली एमआईडीसी में एक फैक्ट्री में आग

लग गई। भिवंडी में एक सैनिटरी नैपकिन फैक्ट्री में मंगलवार तड़के आग लग गई,

नायडू ने तेदेपा, भाजपा और जनसेना की संयुक्त बैठक में कहा

अमरावती ही होगी आंध्र की एकमात्र राजधानी, 3 राजधानियां नहीं होंगी

एनडीए की बैठक में चंद्रबाबू ने किया ऐलान

मुंबई हलचल / अमरावती

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने से एक दिन पहले तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) प्रमुख चंद्रबाबू नायडू ने मंगलवार को घोषणा की कि अमरावती राज्य की एकमात्र राजधानी होगी। नायडू तेदेपा, भाजपा और जनसेना के विधायकों की एक संयुक्त बैठक को संबोधित कर रहे थे।

बैठक में उन्होंने आंध्र प्रदेश विधानसभा में एनडीए नेता के रूप में सर्वसम्मति से चुना गया। इस दौरान उन्होंने कहा कि हमारी सरकार में तीन राजधानियों की आड़ में कोई खेल नहीं होगा। हमारी राजधानी अमरावती है।

अमरावती राजधानी है। राज्य के बंटवारे के बाद चंद्रबाबू नायडू पहले मुख्यमंत्री बने। वह 2014 से 2019 तक मुख्यमंत्री रहे। नायडू ने अमरावती को राजधानी बनाने का विचार रखा था। नायडू बुधवार को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे।

आज लेंगे सीएम पद की शपथ

2019 में लगा था झटका

नायडू के इस विचार को उस समय झटका लगा जब 2019 में उन्होंने सत्ता खो दी और वाई एस जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली वाईएसआरसीपी ने शानदार जीत हासिल की। फिर रेड्डी ने अमरावती शहर की योजनाओं को ठंडे बस्ते में डाल दिया और तीन राजधानियों का एक नया विचार सामने रखा, जिसे नायडू ने अब एकमात्र राजधानी रखने के फैसले के साथ बदल दिया है।

जनादेश ने 'जान फूंकी'

आंध्र प्रदेश के हालिया विधानसभा चुनाव में तेदेपा, भाजपा और जनसेना के गठबंधन ने एकतरफा जीत हासिल की। एनडीए गठबंधन ने विधासभा चुनाव 164 सीट पर जीत दर्ज की जबकि लोकसभा चुनाव में 21 सीट पर भारी बहुमत के साथ शानदार जीत हासिल की। इस जनादेश ने अमरावती को राजधानी बनाने की योजना में नई जान फूंक दी है।

भाजपा के रविशंकर और चुघ पर्यवेक्षक बने

जल्द चुना जाएगा अरुणाचल प्रदेश में 'नेता'

ईटानगर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के संसदीय बोर्ड ने अरुणाचल प्रदेश में पार्टी विधायक दल के नेता के चुनाव के लिए सांसद रविशंकर प्रसाद और पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुघ को केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्ति किया है। हाल के अरुणाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव में भाजपा को प्रचंड बहुमत मिला है। राज्य की 60 विधानसभा सीट में से भाजपा ने 46 पर जीत दर्ज की। जबकि नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) ने 5 सीट हासिल कीं। वहीं, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) ने 3, पीपुल्स पार्टी ऑफ अरुणाचल ने 2, कांग्रेस ने 1 और निर्दलीयों ने 3 सीट पर जीत हासिल की।

खांडू संभाल रहे कार्यकारी सीएम की जिम्मेदारी

इससे पहले भाजपा अरुणाचल प्रदेश प्रमुख बियुराम वाहगे ने मीडिया से बातचीत में कहा कि सीएम पेमा खांडू और बाकी के विधायक और भाजपा नेता केंद्र सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए नई दिल्ली गए हुए हैं। हम उनके और हाईकमान की तरह से किसी पर्यवक्षेक का इंतजार कर रहे हैं। जैसे ही वह यहां आते हैं और नए विधायकों के साथ मिलकर विधायक दल के नेता का चुनाव कर लेते हैं, वैसे ही शपथ ग्रहण की तैयारियां शुरू की जाएंगी। फिलहाल कोई तारीख तय नहीं हुई है। अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल कैवल्य परनायक ने 2 जून को विधानसभा भंग कर दी थी और खांडू को नई सरकार के पदभार ग्रहण करने तक मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी संभालने के लिए कहा था।

चीन ने अरुणाचल के इलाकों के 7 साल में 4 बार बदले नाम

मोदी सरकार ने दिया जवाब ... अब भारत बदलेगा तीस जगहों के नाम

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव में एनडीए की जीत के बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर के पद संभालते ही भारत ने चीन के खिलाफ बड़ा कदम उठाया है। द डिप्लोमैट की रिपोर्ट के मुताबिक, चीन को काउंटर करने के लिए भारत अब तिब्बत की 30 से ज्यादा जगहों के नाम बदलने जा रहा है।भारतीय सेना जल्द ही जगहों की लिस्ट के साथ एलएसी का नया मैप जारी करेगी। दरअसल, चीन ने अप्रैल में अरुणाचल प्रदेश की 30 जगहों के नाम बदले थे। चीन की सरकार इन इलाकों को अपना क्षेत्र बताती है। ड्रैगन की इसी हरकत का जवाब देने के लिए भारत सरकार ने यह फैसला लिया है।

ड्रैगन की इसी हरकत का जवाब देने के लिए भारत सरकार ने यह फैसला लिया है। पिछले 7 सालों में ऐसा चौथी बार हुआ था जब चीन ने अरुणाचल की जगहों के नाम बदले।

चीन ने अरुणाचल को नहीं दी मान्यता

दरअसल, चीन ने कभी अरुणाचल प्रदेश को भारत के राज्य के तौर पर मान्यता नहीं दी। वो अरुणाचल को 'दक्षिणी तिब्बत' का हिस्सा बताता है। उसका आरोप है कि भारत ने उसके तिब्बती इलाके पर कब्जा करके उसे अरुणाचल प्रदेश बना दिया है।

भारत की भाषा में पुराने नामों के आधार पर बदले नाम

तिब्बत के इलाकों का नाम बदलने के लिए काफी रिसर्च की गई थी। इस दौरान इन जगहों के भारत की भाषा में पुराने नामों को आधार बनाकर नए नाम रखे गए हैं। भारतीय सेना की इन्फॉर्मेशन वॉरफेयर डिविजन को इलाकों के नाम बदलने का जिम्मा सौंपा गया था। यह वही डिविजन है जो गहरी रिसर्च के बाद चीन की तरफ से रखे गए अरुणाचल प्रदेश के इलाकों के नए नामों को भी खारिज करता है। नए नामों की लिस्ट को जल्द ही सार्वजनिक किया जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय सेना ने पिछले कुछ हफ्तों में अरुणाचल प्रदेश के उन इलाकों का दौरा भी किया।

अरुणाचल प्रदेश को बताया अपना हिस्सा

चीन ने 1 अप्रैल को अरुणाचल प्रदेश को अपना हिस्सा बताकर वहां की 30 जगहों के नाम बदल दिए थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, इनमें 11 रिहायशी इलाके, 12 पर्वत, 4 नदियां, एक तालाब और एक पहाड़ों से निकलने वाला रास्ता था। हालांकि, इन जगहों के नाम क्या रखे गए हैं, इस बारे में जानकारी नहीं दी गई। इन नामों को चीनी, तिब्बती और रोमन में जारी किया था। पिछले 7 सालों में ऐसा चौथी बार हुआ था जब चीन ने अरुणाचल की जगहों का नाम बदले। चीन ने अप्रैल 2023 में अपने नक्शे में अरुणाचल प्रदेश की 11 जगहों के नाम बदल दिए थे।

चीन के दावों को खारिज किया

इस दौरान पत्रकारों के जरिए क्षेत्रीय लोगों से भी बात की गई। उन्होंने चीन के दावों को खारिज करते हुए खुद को भारतीय नागरिक कहा। चीन अरुणाचल के इलाकों के नाम क्यों बदलता है इसका अंदाजा वहां के एक रिसर्चर के बयान से लगाया जा सकता है। ''जिन जगहों के नाम बदले गए हैं वो कई सौ सालों से हैं। चीन का इन जगहों का नाम बदलना बिल्कुल जायज है।

अरुणाचल प्रदेश भारत का आंतरिक हिस्सा

अरुणाचल में बढ़ते चीनी दखल और यहां की जगहों के नाम बदले जाने पर भारत कहता आया है कि अरुणाचल हमारा हिस्सा है। अप्रैल 2023 में विदेश मंत्रालय ने कहा था- हमारे सामने चीन की इस तरह की हरकतों की रिपोर्ट्स पहले भी आई हैं। हम इन नए नामों को सिरे से खारिज करते हैं। अरुणाचल प्रदेश भारत का आंतरिक हिस्सा था, हिस्सा है और रहेगा।

ओडिशा में भाजपा सरकार के 12 जून को होने वाले शपथ ग्रहण समारोह की वजह से गुरुवार को अपना कार्यभार संभालेंगे राजनाथ सिंह और धर्मेंद्र प्रधान

मंगलवार को राजधानी में कई केंद्रीय और राज्य मंत्रियों ने कार्यभार

मोदी कैबिनेट में कामकाज के बंटवारे के बाद रक्षा और शिक्षा राज्य मंत्री ने संभाला कार्यभार

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

लगातार तीसरी बार केंद्र की सत्ता पर काबिज हुई राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार के मंत्रिमंडल के बीच हुए कामकाज के बंटवारे के बाद मंगलवार को राजधानी में कई केंद्रीय और राज्य मंत्रियों ने अपना कार्यभार संभाला। इसमें रक्षा राज्य मंत्री के रूप में संजय सेठ और शिक्षा मंत्रालय के दो राज्य मंत्रियों के रूप में जयंत चौधरी और डॉ.सुकांत मजूमदार शामिल हैं। इनके अलावा केंद्रीय पर्यावरण मंत्री के रूप में भूपेंद्र यादव और महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के रूप में अन्नपूर्णा देवी और सावित्री ठाकुर ने राज्य मंत्री के रूप में अपना विभागीय दायित्व संभाला।

यहां बता दें कि रक्षा और शिक्षा जैसे मोदी कैबिनेट के दो महत्वपूर्ण मंत्रालयों से जुड़े राजनाथ सिंह और धर्मेंद्र प्रधान के ओड़िशा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पहले सरकार गठन समारोह में शिरकत की वजह से 11 जून को वह अपना कार्यभार ग्रहण नहीं कर सके और अब गुरुवार को वह अपना दायित्व संभालेंगे। आज अपनी विभागीय जिम्मेदारी संभालने वाले उक्त सभी मंत्रियों ने अपने मंत्रालयों के 100 दिनों के कामकाज से जुड़े रोडमैप को पूरा करने को लेकर पूर्ण प्रतिबद्धता जाहिर की है। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि रक्षा राज्य मंत्री के रूप में कार्यभार संभालने वाले संजय सेठ ने सबसे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र से मुलाकात की और उसके बाद

मंत्रालय में अपनी जिम्मेदारी संभाली। जिसमें साउथ ब्लॉक स्थित रक्षा मंत्रालय में रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने ने उन्हें मंत्रालय से जुड़ी हुई तमाम गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। इसके बाद प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान और तीनों सेनाध्यक्षों ने रक्षा राज्य मंत्री से शिष्टाचार मुलाकात की। संजय सेठ भाजपा के एक अनुभवी नेता और सांसद हैं। वह लगातार दूसरी बार झारखंड की रांची सीट से जीतकर सांसद बने हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ भी उन्होंने बेहद करीब से काम किया है। इसके अलावा अपने संसदीय अनुभव के दौरान संजय सेठ की केंद्रीय मंत्रालयों से जुड़ी हुई कई संसदीय समितियों में भी भागीदारी रही है। जबकि केंद्रीय पर्यावरण मंत्री के रूप में भूपेंद्र यादव ने लगातार दूसरी बार पर्यावरण मंत्रालय में अपनी जिम्मेदारी संभाली है। वह राजस्थान की अलवर लोकसभा सीट से जीतकर सांसद बने हैं। मोदी सरकार के एक अनुभवी मंत्री के रूप में उन्हें पहचाना जाता है।

अपने पूर्व कार्यकाल में पर्यावरण मंत्री के रूप में उन्होंने पर्यावरण संबंधी मामलों को लेकर कई मौकों पर भारत का पक्ष बेहद मजबूती के साथ दुनिया के सामने रखा है। जयंत चौधरी पहली बार राजग सरकार में बतौर मंत्री के रूप में शामिल हुए हैं। उनके अलावा मंत्रालय में शिक्षा राज्य मंत्री की जिम्मेदारी संभालने वाले सुकांत मजूमदार ने अपना कार्यभार ग्रहण करने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार प्रकट किया। साथ ही कहा कि मंत्रालय के वरिष्ठ मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के साथ काम करने से उन्हें उनके व्यापक विभागीय अनुभव का लाभ मिलेगा और प्रधानमंत्री के शिक्षा को लेकर बने हुए विजन को भी समझने में आसानी होगी।

बेतालघाट में स्कूल हुआ खाक, कैंची धाम के नजदीक जंगल में फैली आग

मुंबई हलचल/संवाददाता

गरमपानी। जून की तपिश के साथ जंगलों के धधकने से आग फिर आबादी तक पहुंचने लगी है। मंगलवार को बेतालघाट ब्लाक के बजेड़ी गांव में जंगल को जलाते हुए पहुंची लपटों ने राजकीय जूनियर हाईस्कूल के भवन को चपेट में ले लिया। कुछ ही देर में आग कार्यालय व कक्षाओं तक फैल गई। इससे फर्नीचर, कंप्यूटर, पंखों के साथ ही स्कूल के अभिलेख जलकर राख हो गए। ग्रामीणों ने चार घंटे की मशक्कत के बाद आग बुझाई। स्कूल इन दिनों ग्रीष्मकालीन अवकाश की वजह से बंद है, अन्यथा बड़ा हादसा होता। घटना सुबह साढ़े दस बजे की है। बजेड़ी के जंगल कई दिन से धधक रहे थे, मगर तेज हवा की वजह से लपटें विद्यालय तक पहुंच गई। एक के बाद एक चार

कक्षा कक्ष व कार्यालय कक्ष आग की लपटों से घिर गया। गांव के लोगों ने आग बुझाने के लिए प्रयास शुरू किए, मगर तब तक लपटें विकराल रूप ले चुकी थी। आग से चार कंप्यूटर, पुस्तकों से भरी अलमारी, खेल सामग्री, कागजात से भरी चार अन्य अलमारियां, फर्नीचर, दो प्रिंटर, साउंड सामग्री, दो प्रोजेक्टर और मध्याह्न भोजन के बर्तन जल गए। इस स्कूल में 90 विद्यार्थी पढ़ते हैं। गांव के 50 से ज्यादा लोग आग बुझाने के लिए जुटे। जिनमें ग्राम प्रधान दीपा बिष्ट, देवेंद्र सिंह जलाल, मोहन सिंह, दीवान सिंह, राजेंद्र सिंह, भुपेंद्र सिंह, विरेन्द्र सिंह बिष्ट आदि थे। बच्चों ने भी प्रयास किया। पानी और अन्य संसाधनों से करीब चार घंटे बाद अपराह्न ढाई बजे आग नियंत्रित हुई, मगर तब तक सब राख हो चुका था। सूचना के बाद नायब तहसीलदार भुवन चंद्र भंडारी, एएसआइ हरी राम, वन दरोगा योगेश बोहरा ने टीम के साथ मौका मुआयना किया। आग से प्रधानाचार्य कक्ष को भी नुकसान पहुंचा है। विद्यालय के प्रभारी प्रधानाचार्य नारायण राम के अनुसार लगभग जंगल की आग से विद्यालय को बड़ा नुकसान हुआ है। जिसका आंकलन तैयार कर उच्चाधिकारियों को भेजा जा रहा है। ग्रीष्मावकाश पूरा होने के बाद बच्चों की पढ़ाई के लिए वैकल्पिक व्यवस्था बनाने पर भी विचार किया जा रहा है।

हल्द्वानी में सूरज के तेवर गर्म, पारा 43 डिग्री पहुंचा

हल्द्वानी। सूरज के तेवर नरम होने की बजाए और अधिक गर्म होते जा रहे हैं। भीषण गर्मी के प्रकोप से जनमानस त्रस्त हो गया है। वहीं हल्द्वानी और आसपास के क्षेत्रों में तापमान का ग्राफ लगातार बढ़ते जा रहा है। मंगलवार को अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया। ताप के प्रताप की वजह से 24 घंटे भीतर 10 वर्षों के रिकॉर्ड को फिर तोड़ते हुए पारे ने चढ़ाई की है। ऐसे में लोग काफी परेशान हो गए हैं। इतना ही नहीं क्षेत्र में दोपहर बाद बादलों का आगमन हुआ। मगर हवा के तेज प्रवाह की वजह से लू का प्रकोप बना रहा। इससे क्षेत्रवासी घरों से बाहर निकलने से बचते दिखे। इधर, मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से जारी पूवार्नुमान के अनुसार आने वाले दिनों में गर्मी से राहत मिलने की संभावना नहीं है। साथ ही मैदानी क्षेत्रों में गर्म हवाओं का प्रभाव परेशानी का बढ़ा सकता है। मई दूसरे पखवाड़े में रिकॉर्ड गर्मी के बाद जून शुरूआत की छिटपुट वर्षा ने तपिश से थोड़ी राहत दी। अब फिर से यहां तापमान चढ़ने लगा है। कुमाऊं में जून की गर्मी ने पिछले सात वर्षों का रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया। सोमवार को पंतनगर का अधिकतम तापमान 40.6 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया था। पर्वतीय क्षेत्र में भी तापमान सामान्य से दो से तीन डिग्री अधिक पहुंच रहा है। अगले तीन दिन उष्ण लहर को लेकर यलो अलर्ट जारी किया गया है। कुमाऊं मंडल के तराई-भारब में इससे पहले 2017 में जून में 40.8 डिग्री तापमान पहुंचा था। मौसम विभाग के अनुसार पिछले 10 वर्षों में जून में सर्वाधिक गर्मी 2015 में रही थी। तब नौ जून को तापमान 41.5 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया था। इधर, पर्वतीय क्षेत्र में भी तापमान 32 से 34 डिग्री सेल्सियस पहुंच रहा है। मौसम विभाग के अनुसार इस बार 15 जून तक भीषण गर्मी रहने वाली है।

बिक्री में यूटिलिटी वाहनों की मजबूत मांग रही

घरेलू बाजार में यात्री वाहनों की बिक्री मई में चार प्रतिशत बढ़कर 3,47,492 इकाई

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

देश में यात्री वाहनों की थोक बिक्री मई में सालाना आधार पर चार प्रतिशत बढ़कर 3,47,492 इकाई हो गयी। मई, 2023 में थोक बिक्री कुल 3,34,537 इकाई रही थी। उद्योग संगठन सियाम ने मंगलवार को यह जानकारी दी। यूटिलिटी वाहनों की मजबूत मांग के चलते मई महीने में अबतक की सबसे ऊंची बिक्री दर्ज की गई। मारुति सुजुकी ने पिछले महीने 1,44,002 इकाइयां बेचीं, जबकि मई, 2023 में यह आंकड़ा 1,43,708 इकाई था। हुंडई मोटर इंडिया ने मई में 49,151 वाहन बेचे, जबकि मई, 2023 में यह आंकड़ा 48,601 इकाई था।

महिंद्रा ने बेचीं 43,218 इकाइयां

महिंद्रा एंड महिंद्रा ने मई 43,218 इकाइयां बेचीं, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में 32,886 इकाइयों की बिक्री की थी। सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के अध्यक्ष विनोद अग्रवाल ने बयान में कहा कि सभी खंडों यात्री वाहन, वाणिज्यिक वाहन, दोपहिया और तिपहिया वाहनों में सालाना आधार पर मई में वृद्धि दर्ज की गई है।

- मई माह में अबतक की सबसे ऊंची बिक्री दर्ज
- मारुति सुजुकी ने पिछले माह 1,44,002 इकाइयां बेचीं
- हुंडई मोटर इंडिया ने 49,151 वाहन बेचे

यात्री वाहनों में वृद्धि मध्यम रही

सियाम के अध्यक्ष ने कहा, 'यात्री वाहनों में केवल मध्यम वृद्धि देखी गई है, जिसका मुख्य कारण पिछले वर्ष का उच्च आधार प्रभाव है।' मई में दोपहिया वाहनों की बिक्री 10 प्रतिशत बढ़कर 16,20,084 इकाई हो गई, जबकि पिछले साल समान महीने में यह आंकड़ा 14,71,550 इकाई था। सियाम के महानिदेशक राजेश मेनन ने विस्तार से बताते हुए कहा कि पिछले महीने यात्री वाहनों की आपूर्ति मई में अबतक की सर्वाधिक थी। उन्होंने कहा कि पिछले महीने दोपहिया वाहनों की बिक्री में 10 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई।

टायर निर्यात 23,073 करोड़ पर स्थिर

भारत का वाहन टायर निर्यात बीते वित्त वर्ष 2023-24 में 23,073 करोड़ रुपये रहा है। वित्त वर्ष 2022-23 में भी निर्यात का आंकड़ा इतना ही रहा था। वाहन टायर विनिर्माता संघ (एटीएमए) ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

मुद्रास्फीति दबाव में निर्यात बुरी तरह प्रभावित

उद्योग निकाय ने बयान में कहा कि वर्ष की पहली छमाही में विकसित अर्थव्यवस्थाओं में सुस्ती, भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं और मुद्रास्फीति के दबाव के कारण मांग में गिरावट के कारण टायर निर्यात बुरी तरह प्रभावित हुआ। हालांकि, वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में इसमें काफी सुधार हुआ।

भारतीय टायर 170 से अधिक देशों को निर्यात

एटीएमए के अनुसार, करीब 90,000 करोड़ रुपये के कारोबार और 23,000 करोड़ रुपये से अधिक के निर्यात से भारतीय टायर उद्योग उन कुछ विनिर्माण क्षेत्रों में से एक है, जिनका निर्यात-कारोबार अनुपात उच्च है। भारतीय टायर वर्तमान में दुनिया के 170 से अधिक देशों को निर्यात किए जाते हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

खाने में टेस्टी ही नहीं, सेहत के लिए भी फायदेमंद है यह सब्जी

कटहल की मसालेदार सब्जी का नाम सुनते ही मुंह में पानी आने लगता है। भले ही इसको बानाने में बहुत समय लगता है। मगर जो इसको खाने का मजा आता है वो तो शायद ही कोई बता पता होगा। खाने में टेस्टी यह सब्जी हैल्थ के लिए भी बहुत फायदेमंद है। इसमें इसमें विटामिन ए, सी, थाइमिन, पोटाशियम, कैलशियम, आयरन, फॉलिक एसिड, मैग्नीशियम जैसे कई तरह के गुण पाए जाते हैं जो कि सेहत के लिए काफी फायदेमंद होते हैं।

तो चलिए जानते हैं कटहल खाने से होने वाले फायदों के बारे में।

1. पाचन तंत्र होगा मजबूत

कटहल के बीजों में फाइबर की प्रचुर मात्रा पाई जाती है। इसको खाने से पाचन तंत्र मजबूत होता है। जिन लोगों को पेट से संबंधित समस्याएं रहती हैं उनको हफ्ते में कम से कम 2 बार कटहल की सब्जी जरूर खानी चाहिए।

2. आंखो के लिए फायदेमंद

आंखों की समस्याओं से परेशान हैं तो कटहल बहुत फायदेमंद है। इसमें विटामिन ए होता है आंखों की बिमारियां जैसे मोतियाबिंद, रात का अंधापन कम करने में भी मददगार है।

3. एनीमिया से बचाने में

कटहल के बीजों में आयरन की भरपूर मात्रा होती है। इनको खाने से हीमोग्लोबीन का स्तर बढ़ता है। अगर आपके शरीर में खून की कमी है तो कटहल के बीजों को खाना शुरू करें।

4. थायराइड रोगियों के लिए फायदेमंद

जिन लोगों को थायराइड की समस्या हो उनके लिए कटहल किसी औषधी से कम नहीं है। इसमें पाएं जाने वाले पोषक तत्व थायराइड को कंट्रोल करते हैं।

5. कैंसर से बचाव

इसके बीजों में एंटीऑक्सीडेंट पाया जाता है। इसमें पाए जाने वाले गुण शरीर की कोशिकाओं को टूटने से बचाता है। इसके साथ ही यह कैंसर से भी बचाता है।

माइग्रेन हो या गठिए का दर्द, इन घेरलू तरीकों से करें इलाज!

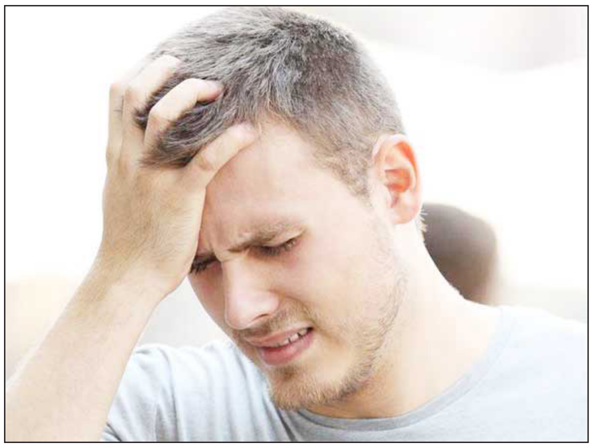

आए दिन हमें सेहत संबंधी किसी न किसी परेशानी से दो-चार होना ही पड़ता है। कभी पेट में दर्द तो कभी सिर दर्द होना आम बात है। वहीं, कुछ लोग तो अस्थमा, साइनस, गठिया, माइग्रेन आदि जैसी बीमारियों से चिंतित रहते हैं। दवाइयों का सेवन करने पर भी कभी-कभी समस्या ज्यादा बढ़ जाती है। इससे राहत पाने के लिए दवाइयों के अलावा कुछ छोटे-मोटे घरेलू नुस्खे भी अपनाए जा सकते हैं ताकि धीरे-धीरे इन्हें कंट्रोल किया जा सके।

1. अस्थमा

गुनगुने पानी में शहद मिलाकर पीने से अस्थमा से राहत मिलती है।

2. साइनस

साइनस होने पर नाक के चारों तरफ जैतून का तेल लगाएं।

3. गठिया

लहसुन के रस में कपूर मिलाकर मालिश करने से फायदा मिलता है।

3. माइग्रेन

सरसों के बीज का पाउडर और पानी मिक्स करके इसका पेस्ट नाक पर लगाएं।

4. कब्ज

सोने से पहले दूध के साथ इसबगोल की भूसी खाएं, इससे कब्ज दूर हो जाती है।

क्या एक्ने वाली स्किन पर अंडा लगाना सही होगा?

आजकल ज्यादातर लड़कियां चेहरे पर एक्ने यानी मुहांसे होने की समस्या से परेशान हैं। वह इनसे राहत तो पाना चाहती हैं। मगर अपने चेहरे पर यह सोचकर कुछ नहीं लगाती कहीं उनके द्वारा लगाएं जाने वाले ब्यूटी प्रॉडक्ट्स से और मुहांसे ना निकल आएं। यही कारण है कि वह अपने चेहरे पर कुछ भी लगाने से डरती हैं। अगर कोई उनको कहे कि अंडा लगाने से मुहांसे दूर हो जाएंगे तो उनका जवाब होगा पागल है क्या? ये तो मेरा चेहरा और खराब कर देगा। मगर ऐसा नहीं है। मुहांसों से राहत पाने के लिए अंडा बहुत ही फायदेमंद है।

एग व्हाइट हैं मुहांसों का काल

आपको जानकर हैरानी होगी कि अंडा लगाने से मुहांसे दूर होते हैं। पिंपल दूर के लिए एग व्हाइट का इस्तेमाल करें। इसमें अमीनो एसिड होता है जो पिंपल हटाने और त्वचा को बेदाग बनाने में मदद करता है। दिन में 3 से 4 बार पिंपल्स पर एग व्हाइट लगाएं। आपको फर्क दिखाई देने लगेगा।

फेशियल करवाने के बाद भूलकर भी ना करें ये 5 गलतियां वरना...

बेदाग और ग्लोइंग चेहरा पाने के लिए लड़कियां पार्लर जाकर फेशियल करवाती हैं। अगर शादी, पार्टी या किसी खास मौके पर जाना हो तो फेशियल करवाना तो बनता है। कुछ महिलाएं तो 30 की उम्र के बाद महीने में एक बार फेशियल जरूर करवाती हैं। लेकिन कुछ महिलाओं को यह नहीं पता होता कि फेशियल करवाने के बाद क्या नहीं करना चाहिए। उनके द्वारा बरती गई थोड़ी सी भी असावधानी के कारण चेहरे की त्वचा पर रिएक्शन का खतरा बढ़ जाता है। आपको भी फेशियल करवाने के बाद इन कामों से बचना चाहिए।

1. 4 घंटे तक साबुन या फेसवॉश न लगाएं

जब भी आप फेशियल करवाएं तो इस बात का ध्यान रखें की तकरीबन 4 घंटे तक आप चेहरे को साबुन या फेसवॉश से ना धोएं। क्योंकि इनका इस्तेमाल करने से त्वचा में रिएक्शन हो सकता है। इसके साथ जब भी मुंह धोएं तो हल्के-हल्के छींटे मारें। टॉवल से चेहरा ना रगड़ें।

2. धूप में न निकलें

फेशियल करवाने के बाद चेहरे के सभी रोम छिद्र खुल जाते है और पोर्स बड़े हो जाते हैं। ऐसे में फेशियल करवाने के तुरंत बाद आप तेज धूप में जाते हैं तो त्वचा पर रिएक्शन होगा और दाने भी निकल सकते हैं।

3. तीन से 4 दिनों तक ना करें स्क्रब

तीन से 4 दिनों तक स्क्रब ना करें। दरअसल फेशियल करवाने से गंदी स्किन निकल जाती है और नए टिशूज बनने में कम से कम 2 दिन लगते हैं। ऐसे में अगर आप चेहरे पर स्क्रब करते हैं तो वह बुरी तरह से छिल भी सकता है। वैसे भी फेशियल करवाने के बाद कई दिनों तक आपको स्क्रबिंग की जरूरत नहीं पड़ती।

4. फेसमास्क न लगाएं

फेशियल करवाने के बाद कम से कम एक हफ्ते तक चेहरे पर किसी भी तरह का कोई फेस मास्क ना लगाएं। क्योंकि मास्क लगाने से फेशियल से आई सारी ग्लो खत्म हो जाती है।

5. थ्रेडिंग न करवाएं

फेशियल करवाने के बाद थ्रेडिंग करवाने की भूल ना करें। क्योंकि फेशियल से स्किन बहुत ज्यादा मुलायम हो जाती है। ऐसे में अगर आप थ्रेडिंग करवाते हैं तो त्वचा के कटने और छीलने का डर बना रहता है। अगर आपने थ्रेडिंग करवानी ही है तो फिशयल से पहले करवाएं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

ऊप्स मूमेंट की शिकार होने बाल-बाल बचीं ये एक्ट्रेसेस

फिल्मों के प्रमोशनल इवेंट्स में अक्सर अभिनेत्रियों को अपनी पोशाक की वजह से ऊप्स मूमेंट का सामना करना पड़ता है। कई बार इस स्थिति में उनके सह-कलाकार असली बॉडीगार्ड बनकर सामने आते हैं और उन्हें शर्मिंदगी से बचा लेते हैं। आइए जानें ऐसी कुछ घटनाओं के बारे में जब अभिनेताओं ने अभिनेत्रियों की किसी मसीहा की तरह मदद की।

अनन्या पांडे : साउथ सुपरस्टार विजय देवरकोंडा और बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे अपनी फिल्म लाइगर के प्रमोशनल इवेंट में पहुंचे थे। अनन्या ने ब्लैक कलर की हाई थाई स्लिट ड्रेस पहनी थी, जिसमें उन्हें बैठने में दिक्कत हो रही थी। ऐसे में विजय ने अनन्या की कुर्सी को अपनी तरफ मोड़ लिया और उन्हें ऊप्स मूमेंट से बचा लिया।

कृति सेनन : दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत ने फिल्म राब्ता के प्रमोशन के दौरान कृति सेनन की मदद की थी। जब कृति कुर्सी पर बैठने जा रही थीं, तो सुशांत उनके आगे आकर खड़े हो गए ताकि उनकी शॉर्ट मिनी ड्रेस की वजह से कोई ऊप्स मूमेंट न हो।

कियारा आडवाणी : फिल्म भूल भुलैया 2 के प्रमोशन के दौरान कार्तिक आर्यन ने कियारा आडवाणी की मदद की। प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद जब कियारा कुर्सी से उठने वाली थीं, तो कार्तिक उनके आगे खड़े हो गए।

Estd. : 2011

G. D. JALAN COLLEGE

Affiliated to University of Mumbai & M.S. Board (MARWARI MINORITY)

Upper Govind Nagar, Malad (East)

NAAC accredited with B+ ISO 9001: 2015 Certified College

Admissions Open

The following programs are as per National Education Policy (NEP 2020)

B.Com.: : Bachelor of Commerce

B.Com.: : Bachelor of Commerce (Management Studies)

B.A.F.: : Bachelor of Commerce (Accounting and Finance)

B.Sc.: : Bachelor of Science

B.Sc.I.T.: : Bachelor of Science (Information Technology)

College Code : MU-0527

Contact Number: 9321558419/ 9321674124